हिमाचल शिक्षा समिति के संरक्षक, ध्येय समर्पित स्वयंसेवक, वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं पूर्व प्रांत कार्यवाह मा0 चेतराम जी का निधन

श्रद्धांजलि

- हिमाचल प्रान्त में संघ कार्य के विस्तार, दृढ़िकरण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने वाले श्रीमान चेतराम जी का लम्बी बीमारी (Parkinsonism) के कारण 05 अगस्त 2017 को प्रातः 1:30 बजे (Indira Gandhi Medical College) IGMC शिमला में निधन हो गया।
- विद्यार्थी जीवन में ही राष्टीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक बने।
- 1971 में सहकारी बैंक की नौकरी छोड़कर संघ के प्रचारक के नाते पंजाब में कार्य किया।
- 1982 में आपकी योजना हिमाचल प्रांत में हुई। आपने हिमाचल में बिलासपुर, मण्डी विभाग के विभाग प्रचारक के नाते दायित्व का निर्वहन किया।
- प्रचारक जीवन के पश्चात भी आपने अविवाहित रहकर संघ कार्य को जीवन कार्य का प्रधान कार्य बनाकर प्रचारक जैसा ही जीवन व्यतीत किया।
- आपने हिमगिरी प्रांत में हिमाचल के संभाग कार्यवाह एवं हिमाचल प्रांत के प्रांत कार्यवाह के नाते 17 वर्षों तक स्वयंसेवकों को अपना सानिध्य प्रदान किया।
- अपने प्रति कठोर, स्वयंसेवकों के प्रति आत्मीय भाव रखने वाले श्रीमान चेतराम जी अनुशासन प्रियता, अहर्निश संघ कार्य के प्रति समर्पित व्यक्तित्व का नाम ही बन गये थे।
- 2007 में विद्या भारती हिमाचल (हिमाचल शिक्षा समिति) के संरक्षक के नाते हिमाचल में सरस्वती विद्या मन्दिरों के विस्तार में आपका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।
- पंजाब के फाजिल्का जिला की अबोहर तहसील के जंडवाला हनुमन्ता गांव में स्वर्गीय श्री रामप्रताप एवं स्वर्गीय श्रीमती दाखां देवी के घर 03 अगस्त 1948 को जन्में श्रीमान चेतराम जी दो भाई एवं पांच बहनों में चौथे स्थान पर थे।
- जीवन के 03 अगस्त को ही 69 वर्ष पूर्ण करने वाले चेतराम जी अपने परिवार में बड़े भाई श्रीमान गोपीराम जी, तीन भतीजे श्री सोहनलाल (वर्तमान में डेराबस्सी, पंजाब) रामरत्न एवं कंवरपाल तथा एक भतीजी के साथ पूरा परिवार छोड़ गये है।
- अपने जीवन में बिलासपुर (हिमाचल) को ही केन्द्र बनाकर संघ कार्य में लीन रहने वाले श्रीमान चेतराम जी स्वयंसेवकों एवं कार्यकर्ताओं के पालक के रूप में स्थापित मूर्ति थे।
- 05 अगस्त को प्रांत कार्यालय शिमला में मा0 रामेश्वर जी की उपस्थिति में स्वयंसेवकों ने अश्रुपूरित विदाई दी।
- पश्चात उनके पार्थिव शरीर को बिलासपुर संघ कार्यालय में स्वयंसेवकों सहित नगरवासियों ने अंतिम दर्शन कर अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।
- अंतिम संस्कार 05 अगस्त 2017 को ही सायं 6:00 बजे उनके पैतृक गांव व डा0 जंडवाला, हनुमन्ता (अबोहर, पंजाब) में उनके परिवार, रिश्तेदारों, गांव के प्रतिष्ठित लोगों, संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं श्रीमान प्रेमकुमार जी, श्रीमान बनवीर जी, हिमाचल के मा0 प्रांत संघचालक कर्नल रूपचंद जी सहित हिमाचल एवं पंजाब के कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवकों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।
- 06 अगस्त 2017 को अस्थि चयन प्रक्रिया पूरी कर 07 अगस्त 2017 दोपहर 2:00 बजे हरिद्वार में उनके परिवार एवं प्रांत कार्यकर्ताओं द्वारा श्री गंगा जी के घाट पर अस्थि विसर्जन हुआ।

- **श्रद्धांजलि कार्यक्रम** शनिवार, 12 अगस्त 2017 को प्रातः 10 बजे, रौड़ा सैक्टर, बिलासपुर में निश्चित किया है।
- **धर्मशान्ति** 15 अगस्त 2017 को उनके पैतृक गांव जंडवाला हनुमन्ता, (अबोहर, पंजाब) में सम्पन्न होगी।